न्यूज डायरी

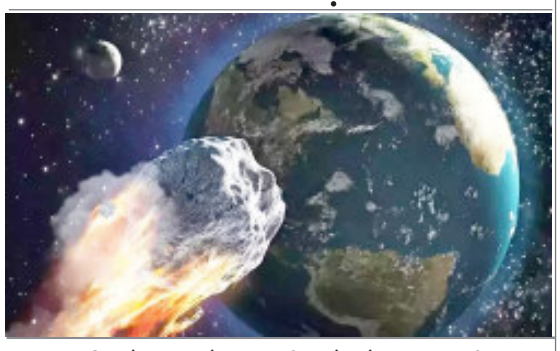

कुछ दिनों पहले धरती के बेहद करीब से गुजरा विशालकाय ऐस्टरॉइड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। एक छोटे घर के आकार का एक ऐस्टरॉइड मंगलवार शाम को पृथ्वी के निकट से गुजरा था। नासा के सेंटर फॉर नियर अर्थ ऑब्जेक्ट स्टडीज के अनुसार, यह खगोलीय चट्टान धरती के 127,000 किमी निकट आ गई थी जो धरती और चंद्रमा की दूरी का लगभग एक–तिहाई है। 2022 ळछ1 नाम के इस ऐस्टरॉइड की लंबाई 24.3 से 55.8 फीट थी और यह करीब 55,836 किमी/घंटे की रफ्तार से यात्रा कर रहा था। वर्चुअल टेलिस्कोप प्रोजेक्ट के संस्थापक और साइंटिफिक डायरेक्टर जियानलुका मासी के अनुसार यह ऐस्टरॉइड सुनने में बड़ा लगता है लेकिन वास्तव में यह छोटा था। कुछ लंबे ऐस्टरॉइड 1 किमी तक लंबे होते हैं। अमेरिकी उल्का सोसायटी के ऑपरेशन मैनेजर माइक हैंकी ने कहा कि जीएन1 का आकार चेल्याबिंस्क उल्कापिंड जितना था जो 59 फीट (18 मीटर) लंबा था।

अमेरिका इमरान के आरोपों को भूलेगा नहीं: पूर्व आईएसआई चीफ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कुर्सी बचाने के लिए पाकिस्तानी राजदूत की ओर से भेजे गए एक राजनयिक संदेश का हवाला देकर अमेरिका पर सरकार गिराने की साजिश का आरोप मढ़ दिया। यही नहीं इसी साजिश का हवाला देकर विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया गया। अब पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय को वर्षों तक इसका खामियाजा भुगतने का डर सता रहा है। यही नहीं विदेश मंत्रालय के अधिकारी प्रधानमंत्री के गोपनीय राजनयिक संदेश को सार्वजनिक करने के बाद अब भविष्य में ऐसा कोई संदेश भेजने से डर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के दो वरिष्ठ अधिकारियों ने खुलासा किया कि राजनयिक इस पूरे विवाद से खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से इमरान खान ने गोपनीय संदेश का इस्ध्तेमाल अपने राजनीतिक उद्देश्यों को हासिल करने के लिए किया है, उसका विदेश मंत्रालय को आने वाले कई वर्षों तक खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

राष्ट्रपति गोटाबाया ने बनाई आर्थिक और वित्तीय विशेषज्ञों की टीम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलंबो। श्रीलंका के आर्थिक हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। रोज मरा की चीजों के दाम भी अब आसमान छू रहे हैं, वहीं लोग भी इसके विरोध में सड़कों पर आ गए हैं। इसी के मद्देनजर आज राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने बहुपक्षीय जुड़ाव और ऋण स्थिरता पर राष्ट्रपति सलाहकार समूह के सदस्यों के रूप में आर्थिक और वित्तीय विशेषज्ञों की एक टीम बनाई है। ये टीम देश में फैली महंगाई को रोकने और विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाने को लेकर सुझाव देगी। विदेशी मुद्रा भंडार में भारी कमी के कारण श्रीलंका में महंगाई चरम पर आ गई है। देश में तेल के दामों ने आसमान छू लिया है, जिसके चलते खाने पीने के सामान भी खासे महंगे हो गए हैं। वहीं देशभर में लगभग 13 घंटे तक बिजली कटोती हो रही है जिससे लोग भी परेशानी की डबल आफत झेल रहे हैं और उद्योग भी काफी घाटा खा रहे हैं।

जयसूर्या ने भारत को बताया बड़ा भाई, कहा– हम पीएम मोदी के आभारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या ने अपने देश के मौजूदा हालात को लेकर चिंता जाहिर की है। जयसूर्या ने श्रीलंका में गंभीर आर्थिक संकट को लेकर सरकार के खिलाफ आवाज उठा रहे लोगों का समर्थन किया है। उन्होंने ने देश की स्थिति को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। पूर्व क्रिकेटर ने भारत को बड़ा भाई बताया है। उन्होंने कहा कि हमारे देश के पड़ोसी और बड़े भाई के रूप में भारत ने हमेशा हमारी मदद की है। हम भारत सरकार और पीएम मोदी के आभारी हैं। हमारे लिए, मौजूदा परिदृश्य के कारण जीवित रहना आसान नहीं है। हम भारत और अन्य देशों की मदद से इससे बाहर निकलने की उम्मीद करते हैं। जयसूर्या ने कहा कि देश के लोग कई महीनों से इस स्थिति से गुजर रहे हैं। जयसूर्या ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोग इस स्थिति से गुजर रहे हैं।

रूस के साथ किया गठजोड़ तो चुकानी होगी भारी कीमत

धमकी

बाइडन प्रशासन ने रूस पर भारत को दी खुली धमकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस को घेरने में जुटे अमेरिका ने एक बार फिर से भारत को धमकी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के आर्थिक सलाहकार ब्रायन दीसे ने कहा है कि हमने भारत को रूस के नक्शे कदम पर चलने के प्रति आगाह किया है। ब्रायन ने कहा कि अमेरिकी अधिकारी यूक्रेन पर हमले को लेकर भारत की ओर से आई कुछ प्रतिक्रिया से निराश हैं। इससे पहले अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार दलीप सिंह ने अपने भारत दौरे के दौरान रूस को लेकर धमकी दी थी।

वाइट हाउस नैशनल इकनॉमिक काउंसिल के डायरेक्टर ब्रायन दीसे ने कहा कि निश्चित रूप से कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां पर यूक्रेन हमले के संदर्भ हमें चीन और भारत के फैसलों ने निराश किया है। ब्रायन ने कहा कि अमेरिका ने भारत को बता दिया है कि रूस के साथ और खुलकर रणनीतिक गठजोड़ करने पर उसके भयंकर दुष्परिणाम भुगतने होंगे और वे लंबे समय तक चलेंगे। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट मुताबिक अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने अमेरिकी दबाव के आगे झुकते हुए रूस पर कठोर आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं लेकिन भारत ने रूस के खिलाफ प्रतिबंध लगाने से परहेज किया है।

भारत के रुख से अमेरिका चिढ़ा हुआ है और धमकियां दे रहाः भारत तेल की बढ़ती कीमतों की मार से बचने के लिए रूस से सस्ता तेल खरीद रहा है। भारत और रूस के बीच घनिष्ठ मित्रता है और मोदी सरकार ने साफ कर दिया है कि वह अमेरिकी दबाव के आगे नहीं झुकेगी। भारत के इस रुख से अमेरिका चिढ़ा हुआ है और लगातार धमकियां दे रहा है। इससे दोनों देशों के बीच संबंध जटिल होते जा रहे हैं। वह भी तब जब अमेरिका एशिया में चीन के प्रभाव से निपटने के लिए भारत को एक महत्वपूर्ण भागीदार मानता है।

दीसे का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब अमेरिका के भारतवंशी डेप्युटी एनएसएस दलीप सिंह ने पिछले सप्ताह भारत की यात्रा भारतीय अधिकारियों से मुलाकात की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय की प्रेस सेक्रटरी जेन साकी ने इससे पहले कहा था कि दलीप सिंह ने अपनी यात्रा के दौरान जो अपने भारतीय समकक्ष से स्पष्ट किया वह यह है कि हमारा मानना है कि यह भारत के हित में नहीं है कि रूस से ऊर्जा और अन्य सामानों का आयात तेज करे।

अमेरिका ऊर्जा आयात में भारत की मदद करने को तैयारः एक अन्य अमेरिकी अधिकारी ने रूस पर नए प्रतिबंधों को लेकर बुधवार को कहा कि अमेरिका और जी7 देश भारत के साथ सहयोग करते रहेंगे और आशा करते हैं कि वे हमारे प्रयासों का अधिकतम हिस्सा बनेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत खाद्यान सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर सहयोग करते रहेंगे। इस बीच जेन पसाकी ने बुधवार को दिए अपने ताजा बयान में कहा कि अमेरिका ऊर्जा आयात में विविधता लाने में भारत की मदद करने को तैयार है। जेन साकी ने कहा, 'हमें नहीं लगता कि भारत को रूस से ऊर्जा तथा अन्य सामान का आयात बढ़ाना या तेज करना चाहिए।

भूखे–प्यासे लोगों तक ड्रोन से धमकी पहुंचा रहा क्रूर ड्रैगन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। दुनिया के पहले कोरोना वायरस मामले की सूचना देने वाला चीन फिलहाल संक्रमण की नई लहर से जूझ रहा है। करोड़ों की संख्या में लोग सख्त लॉकडाउन के तहत अपने घरों में कैद हैं और खाने–पीने की चीजों के अभाव का सामना कर रहे हैं। लेकिन चीन गुस्साए लोगों तक जरूरत का सामान पहुंचाने के बजाए उन तक चेतावनी भेज रहा है। अपने अपार्टमेंट की बालकनी में खड़े विरोध कर रहे शंघाई के लोगों तक चीन ड्रोन के माध्यम से संदेश पहुंचा रहा है जिसमें कहा जा रहा है, श्आजादी के लिए अपनी आत्मा की इच्छा को काबू में रखें।

शंघाई में लोगों के घर से बाहर निकलने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। खाने–पीने की चीजों के अभाव का सामना कर रहे स्थानीय लोग विरोध प्रदर्शन के तौर पर अपनी बालकनी पर आकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और गाना गा रहे हैं– तुम हमें भूखा क्यों मार रहे हो? इकोनॉमिस्ट की Alice Su ने चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीबो के हवाले से इसका एक वीडियो ट्विटर पर शेयर किया है। इसमें देखा जा सकता है कि एक ड्रोन बालकनी में खड़े लोगों से गाना बंद करने के लिए कह रहा है।

रूसी आर्मी की नाक में दम करने वाली चारकोल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। रूस और यूक्रेन का युद्ध 24 फरवरी को शुरू हुआ। रूसी सेना आक्रामक और हथियार संपन्न थी लेकिन यूक्रेन के प्रतिरोध ने उसके कदम रोक दिए। इसमें यूक्रेनी सेना के कई जाबांज सैनिकों और आम नागरिकों ने बड़ी भूमिका निभाई। रूस के लड़ाकू विमानों के लिए सबसे बड़ा काल बना कीव का भूत जिसे लोगों ने यूक्रेन का हीरो कहा। लेकिन अब यूक्रेन की एक नई श्हीरोश सामने आई है जो रूसी खेमें तबाही मचा रही है। यह एक महिला स्नाइपर है जिसे चारकोल के नाम से जाना जा रहा है। यूक्रेनी सेना ने फेसबुक पर इस स्नाइपर की तस्वीरें जारी की हैं जिसमें इसके आधे ढके चेहरे को देखा जा सकता है जो चारकोल की पहचान है।

चीन में कई साल तक मौत की सजा पाए कैदियों को मारते रहे सर्जन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बीजिंग। डॉक्टर का काम लोगों का इलाज करना और उनकी जान बचाना है। लेकिन चीन में कुछ डॉक्टरों पर श्हत्याश के गंभीर आरोप लगे हैं। सैकड़ों सर्जन और चिकित्साकर्मियों पर आरोप है कि उन्होंने ट्रांसप्लांट के लिए मौत की सजा पाए सैकड़ों कैदियों का दिल उनके मरने से पहले ही निकाल लिया। एक नए एकेडेमिक पेपर में इस बात का खुलासा हुआ है। ऑर्गन ट्रांसप्लांट के एथिक्स पर अंतरराष्ट्रीय दिशानिर्देशों के मुताबिक शरीर से ऑर्गन निकालने के चलते किसी डोनर की मौत नहीं होनी चाहिए। ऑस्ट्रेलियन

अमेरिकन जर्नल ऑफ ट्रांसप्लांटेशन में प्रकाशित रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नेशनल यूनिवर्सिटी की इस हफ्ते अमेरिकन जर्नल ऑफ ट्रांसप्लांटेशन में प्रकाशित रिसर्च यह दावा करती है कि चीनी सर्जनों ने इन दिशानिर्देशों का उल्लंघन किया है। अल जजीरा की खबर के अनुसार चीन की वैज्ञानिक पत्रिकाओं की 2,838 रिपोर्ट्स के फॉरेंसिक रिव्यू से पता चला है कि 71 मामलों में सर्जन्स ने संभवतः मरीज का दिल या फेफड़े उसका ब्रेन डेड होने से पहले ही निकाल लिए। मेडिकल की भाषा में ब्रेन डेड वह परिस्थिति है जहां एक मरीज बिना वेंटिलेटर के जीवित नहीं रह सकता है।

सरकार के हत्यारों की तरह काम करते थे डॉक्टरः रिसर्च के सह–लेखक और पीएचडी शोधकर्ता मैथ्यू रॉबर्टसन ने कहा, हमने पाया कि डॉक्टर सरकार के हत्यारे बन गए थे और हत्या का तरीका था दिल निकालना। शोधकर्ताओं का कहना है कि ये मानदंड बताते हैं कि अंग खरीद के उद्देश्य से मरीज के शरीर को जीवित रखा जाता था जिनसे डॉक्टरों और अस्पतालों को बड़ा फायदा होता था। संदिग्ध मामलों में 348 सर्जन, नर्स, एनेस्थेसियोलॉजिस्ट और अन्य चिकित्सा कर्मचारियों या शोधकर्ताओं की भागीदारी थी जिन्हें पत्रिकाओं में शामिल किया गया है।

यूक्रेन ने रूस से तोड़े सभी व्यापारिक रिश्ते

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। रूस–यूक्रेन में युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है और रूसी सेना यूक्रेन को तबाह करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इस बीच पश्चिम के देश अब रूस पर युद्ध रोकने के लिए दबाव बढ़ाने की लगातार कोशिश कर रहे हैं। इस बीच यूक्रेन ने रूस के साथ सभी व्यापारिक रिश्ते खत्म करने का ऐलान किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने आज सरकार को रूस के साथ यूक्रेन के व्यापार की समाप्ति को औपचारिक रूप देने का निर्देश दिया है। जानकारी के अनुसार यूक्रेन और रूस के बीच आयात और निर्यात संघर्ष की शुरुआत के बाद से पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। बता दें कि यूक्रेन ने 2021 में रूस के साथ सालाना आधार पर व्यापार में 38.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी, जिसका मूल्य 10.09 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। वहीं, निर्यात 26.5 प्रतिशत बढ़कर 3.44 अरब डॉलर हो गया था और आयात 45.9 प्रतिशत बढ़कर 6.65 अरब डॉलर हो गया था। अमेरिका समेत कई देश रूस पर लगातार नए नए प्रतिबंध लगा रहे हैं।